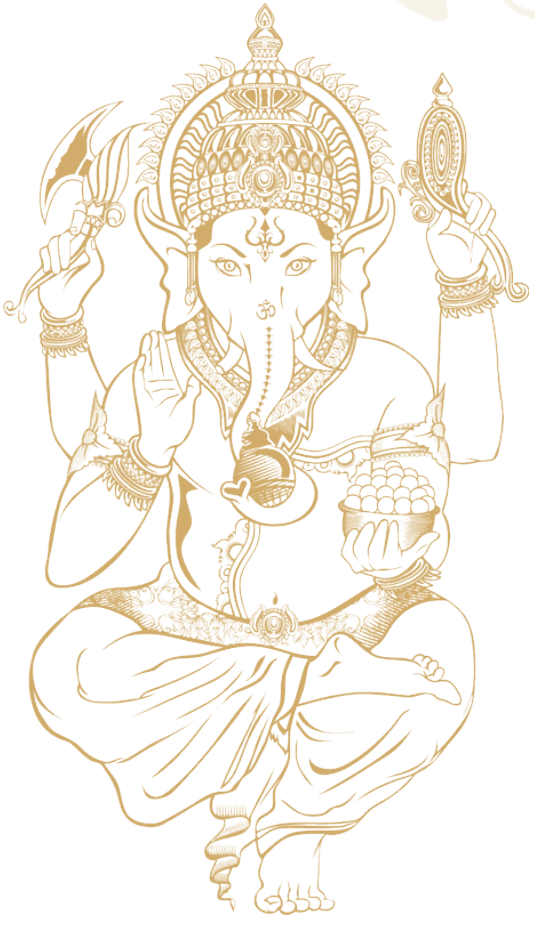

Om vasy

05 Aug 2004

08:21 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121805502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/08/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:21:00 घंटे**
इष्ट	06:59:48 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:14:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:58 घंटे
साम्पातिक काल	05:10:36 घंटे
सूर्योदय	05:33:04 घंटे
सूर्यास्त	18:51:09 घंटे
दिनमान	13:18:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:06:23 कर्क
लग्न के अंश	25:03:08 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:03:08	321:42:08	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	19:06:23	00:57:27	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	16:32:51	13:08:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	02:43:19	00:37:57	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	13:50:32	00:24:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	25:25:44	00:11:33	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	04:04:46	00:50:32	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मिथु	26:24:51	00:07:24	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मेष	11:56:41	00:02:55	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	11:56:41	00:02:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	11:46:09	00:02:09	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:06:10	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:47:42	00:00:47	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	24:43:19	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:08

लग्न-चलित

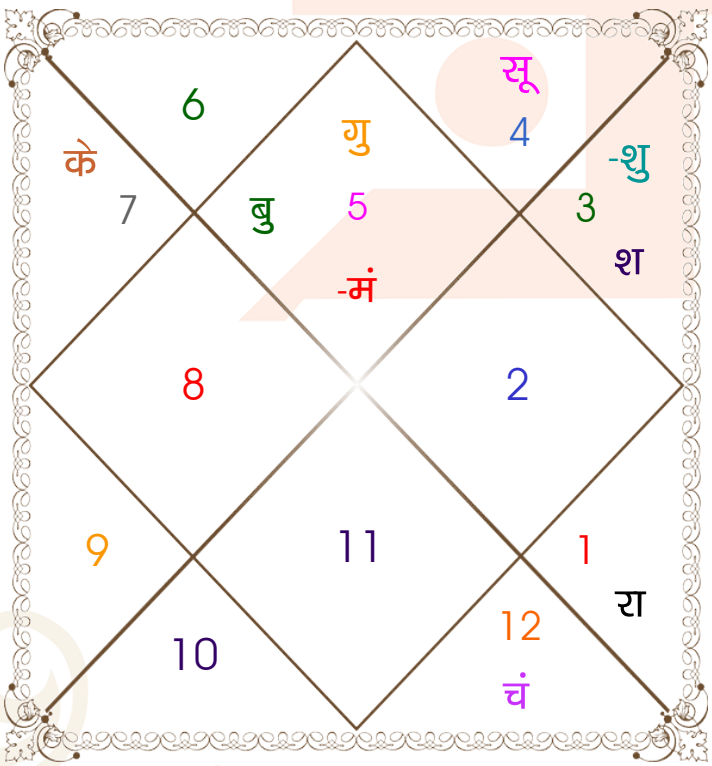

चन्द्र कुंडली

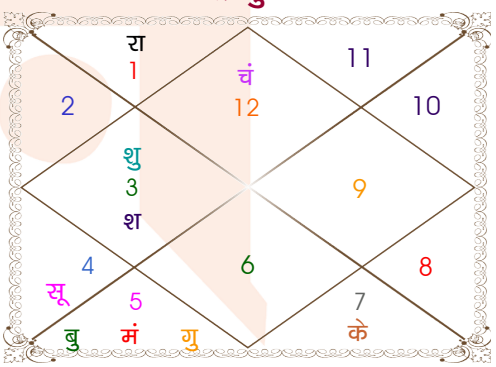

नवमांश कुंडली

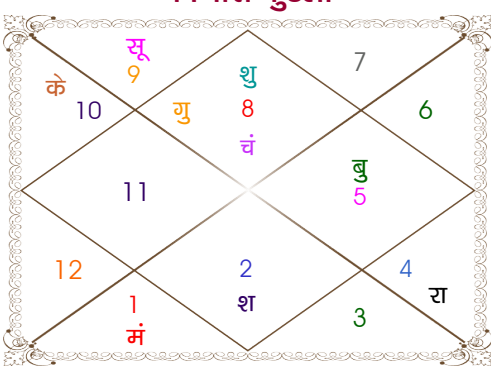

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 2 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/08/2004		06/10/2004		06/10/2021		06/10/2028		06/10/2048	
06/10/2004		06/10/2021		06/10/2028		06/10/2048		06/10/2054	
	00/00/0000	बुध	05/03/2007	केतु	04/03/2022	शुक्र	05/02/2032	सूर्य	23/01/2049
	00/00/0000	केतु	01/03/2008	शुक्र	04/05/2023	सूर्य	05/02/2033	चंद्र	25/07/2049
	00/00/0000	शुक्र	31/12/2010	सूर्य	09/09/2023	चंद्र	06/10/2034	मंगल	30/11/2049
	00/00/0000	सूर्य	06/11/2011	चंद्र	09/04/2024	मंगल	07/12/2035	राहु	25/10/2050
	00/00/0000	चंद्र	07/04/2013	मंगल	05/09/2024	राहु	06/12/2038	गुरु	13/08/2051
	00/00/0000	मंगल	04/04/2014	राहु	24/09/2025	गुरु	06/08/2041	शनि	25/07/2052
	00/00/0000	राहु	21/10/2016	गुरु	31/08/2026	शनि	06/10/2044	बुध	31/05/2053
	05/08/2004	गुरु	27/01/2019	शनि	10/10/2027	बुध	07/08/2047	केतु	06/10/2053
गुरु	06/10/2004	शनि	06/10/2021	बुध	06/10/2028	केतु	06/10/2048	शुक्र	06/10/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/10/2054		06/10/2064		07/10/2071		06/10/2089		07/10/2105	
06/10/2064		07/10/2071		06/10/2089		07/10/2105		06/08/2124	
चंद्र	07/08/2055	मंगल	04/03/2065	राहु	19/06/2074	गुरु	24/11/2091	शनि	10/10/2108
मंगल	07/03/2056	राहु	23/03/2066	गुरु	11/11/2076	शनि	07/06/2094	बुध	20/06/2111
राहु	06/09/2057	गुरु	26/02/2067	शनि	18/09/2079	बुध	12/09/2096	केतु	29/07/2112
गुरु	06/01/2059	शनि	06/04/2068	बुध	07/04/2082	केतु	18/08/2097	शुक्र	28/09/2115
शनि	06/08/2060	बुध	03/04/2069	केतु	25/04/2083	शुक्र	19/04/2100	सूर्य	09/09/2116
बुध	05/01/2062	केतु	31/08/2069	शुक्र	25/04/2086	सूर्य	06/02/2101	चंद्र	11/04/2118
केतु	07/08/2062	शुक्र	31/10/2070	सूर्य	20/03/2087	चंद्र	08/06/2102	मंगल	21/05/2119
शुक्र	06/04/2064	सूर्य	08/03/2071	चंद्र	18/09/2088	मंगल	15/05/2103	राहु	27/03/2122
सूर्य	06/10/2064	चंद्र	07/10/2071	मंगल	06/10/2089	राहु	07/10/2105	गुरु	06/08/2124

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।